समझदार कछुआ और मूर्ख लोमड़ी

पात्र:

- कछुआ (समझदार)
- लोमड़ी (मूर्ख)
- अन्य जानवर

कहानी:

एक समय की बात है, एक घने जंगल में एक समझदार कछुआ और एक मूर्ख लोमड़ी रहते थे। लोमड़ी हमेशा अपनी चतुराई पर गर्व करती थी, जबकि कछुआ अपनी धीमी गति और बुद्धिमानी के लिए जाना जाता था।

एक दिन, लोमड़ी ने सोचा कि वह कछुए को चिढ़ाएगी। उसने कछुए से कहा, "तुम कितने धीमे हो! मैं तुमसे दौड़ में जीत सकती हूँ।" कछुआ ने मुस्कराते हुए कहा, "दौड़ में जीतने का मतलब यह नहीं है कि तुम सबसे बुद्धिमान हो।

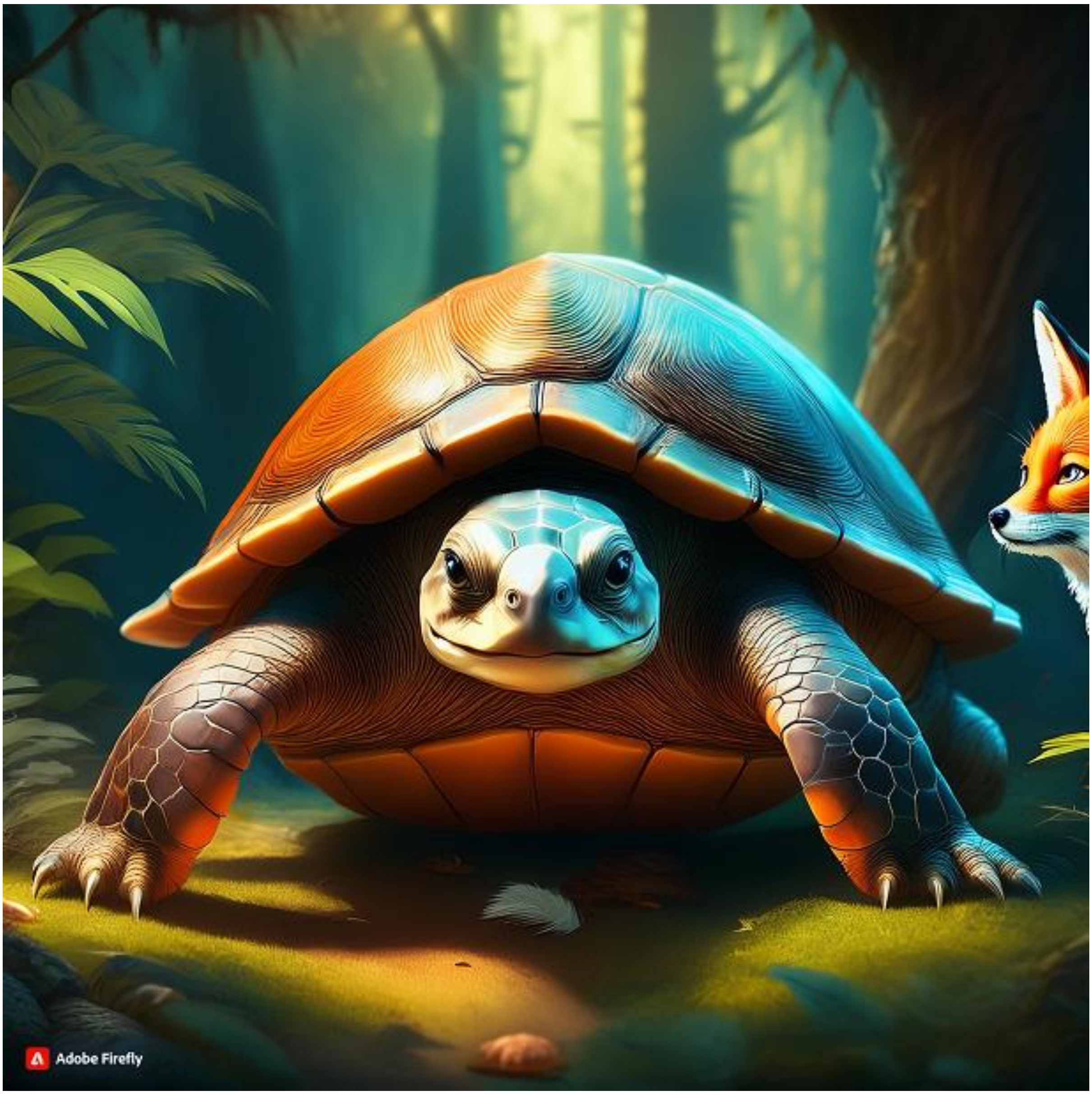

"लोमड़ी ने चुनौती स्वीकार की और दौड़ के लिए तैयार हो गई। जंगल के सभी जानवर दौड़ देखने के लिए इकट्ठा हो गए। दौड़ शुरू हुई, और लोमड़ी ने तेजी से दौड़ना शुरू कर दिया। उसने कछुए को पीछे छोड़ दिया और सोचने लगी, "मैं तो पहले ही जीत चुकी हूँ, अब थोड़ी देर आराम कर लेती हूँ।

"लोमड़ी ने एक पेड़ के नीचे बैठकर आराम करने का फैसला किया। उसने सोचा, "कछुआ तो बहुत धीमा है, मुझे चिंता करने की जरूरत नहीं।

"इस बीच, कछुआ अपनी धीमी गति से आगे बढ़ता रहा। उसने कभी हार नहीं मानी। जैसे ही लोमड़ी सो रही थी, कछुआ धीरे-धीरे रेस के अंत की ओर बढ़ा।

जब लोमड़ी की आंखें खुलीं, तो उसने देखा कि कछुआ फिनिश लाइन के पास पहुँच चुका है। उसने तेजी से दौड़ने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कछुआ पहले पहुँच गया और जीत गया।

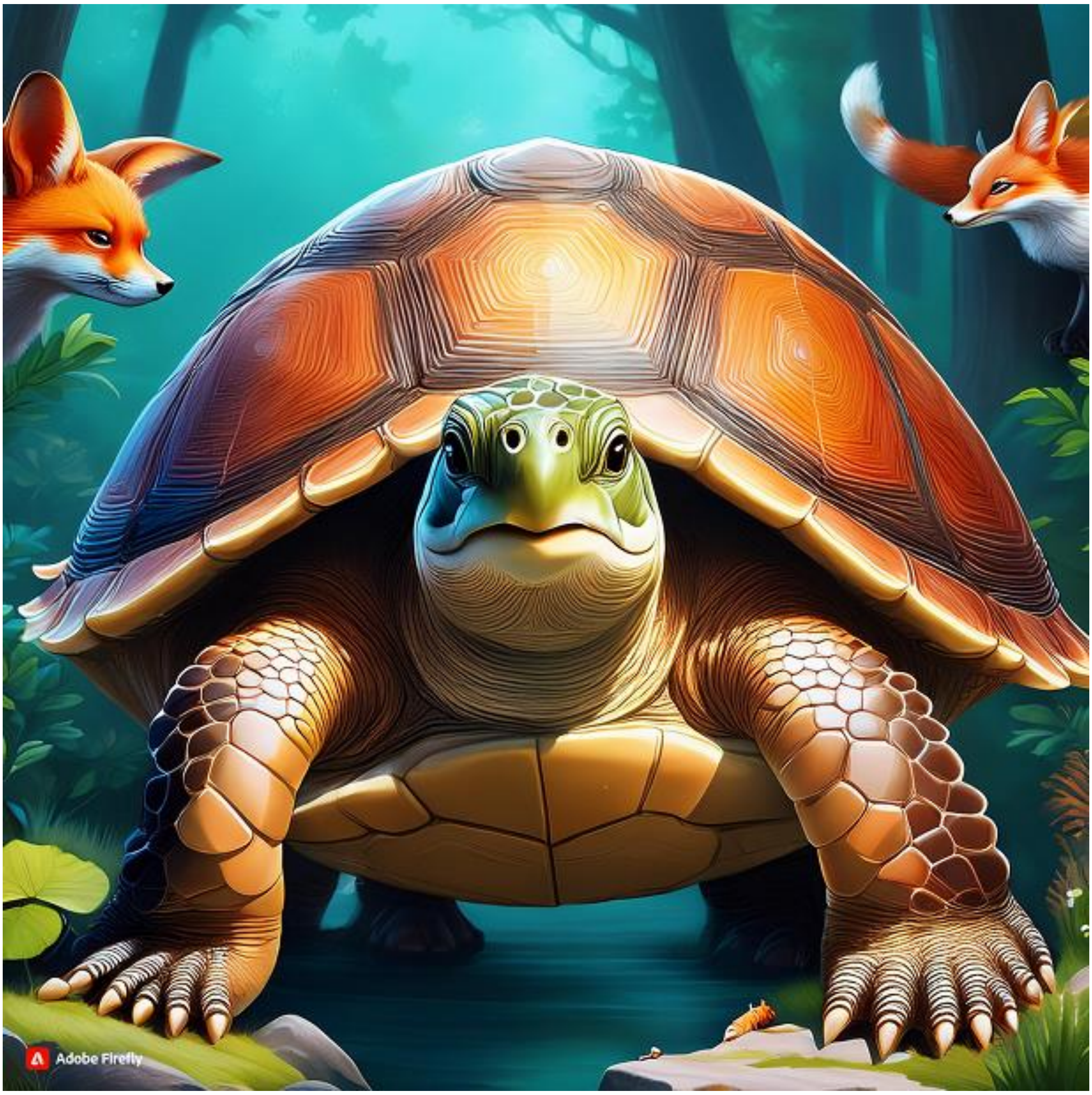

जंगल के सभी जानवर शोर मचाने लगे। कछुआ मुस्कुराया और कहा, "यह दौड़ सिर्फ गति की नहीं, बल्कि धैर्य और बुद्धिमानी की भी है।

"लोमड़ी ने शर्मिंदा होकर कहा, "मुझे अपनी चतुराई पर गर्व था, लेकिन मैंने समझदारी को नजरअंदाज किया। मैं तुमसे सीखती हूँ, कछुए।

"कछुआ ने उसे समझाया, "हर किसी में अपनी प्रतिभा होती है, लेकिन असली जीत धैर्य और बुद्धिमानी में है।

"इस घटना के बाद, लोमड़ी ने कछुए से दोस्ती की और दोनों ने मिलकर जंगल में और जानवरों को भी सिखाया कि धैर्य और समझदारी से ही जीवन में सच्ची सफलता मिलती है।

Adobe Firefly

शिक्षा:

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि चतुराई और तेज़ी से ज्यादा महत्वपूर्ण धैर्य, समझदारी और आत्म-विश्लेषण है।